नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

गौरैया के लिए पात्रों में डाला पानी

विश्व गौरैया दिवस पर हिंदी विवि की पहल

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं पर्यावरण क्लब का उपक्रम

वर्धा, 20 मार्च 2019: विश्व गौरैया दिवस पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में गौरैया तथा अन्य पक्षीयों के लिए लगाए गये पात्रों में पानी ड़ालने का अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पर्यावरण क्लब की ओर से आरंभ किया गया। इस अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थी गिरीश भोगे, राहुल कुमार, अनूप कुमार वर्मा, मनीष कुमार, कमलेश मोदनवाल, पूजा ताकसांडे, आदिती कुमार तथा कर्मी अश्विन श्रीवास आदि शामिल हुए। विश्वविद्यालय में चिडियां के लिए पानी की व्यवस्था हेतु जगह-जगह पर पात्र लगाये गये हैं। विवि के प्रशासनिक भवन, संस्कृति विद्यापीठ, प्रथमा भवन परिसर तथा नागार्जुन अतिथि गृह के परिसर में विद्यार्थियों ने उन पात्रों को स्वच्छ कर उनमें पानी ड़ालने का अभियान विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च (बुधवार) से आरंभ किया। इस अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पर्यावरण क्लब के संयोजक राजेश लेहकपुरे, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे भी शामिल हुए। पक्षी हमारे पर्यावरण की महत्वपूर्ण कड़ी है और उनके अस्तित्व के लिए हमें निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। यह अभियान इसी का एक हिस्सा है, ऐसी भावना विद्यार्थियों ने व्यक्त की।

जागतिक चिमणी दिनानिमित्त

पात्रांमध्ये पाणी टाकण्याचे अभियान प्रारंभ

हिंदी विश्वविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजना, पर्यावरण क्लबचा उपक्रम

वर्धा, 20 मार्च 2019: जागतिक चिमणी दिनानिमित्त महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात चिमण्या आणि इतर पक्षांकरिता लावण्यात आलेल्या पात्रांमध्ये पाणी टाकण्याचे अभियान राष्ट्रीय सेवा योजना तथा पर्यावरण क्लब यांच्या वतीने सुरू करण्यात आले. राष्ट्रीय सेवा योजनेचे विद्यार्थी गिरीश भोगे, राहुल कुमार, अनूप कुमार वर्मा, मनीष कुमार, कमलेश मोदनवाल, पूजा ताकसांडे, आदिती कुमार, कर्मचारी अश्विन श्रीवास इत्यादी

या अभियानात सामिल झाले. विश्वविद्यालयात पक्षांकरिता पाण्याची सोय व्हावी म्हणून ठिकठिकाणी जल

पात्र लावण्यात आले आहेत. प्रशासकीय भवन, संस्कृती विद्यापीठ, प्रथमा भवन परिसर तसेच नागार्जुन अतिथी गृहाच्या परिसरात विद्यार्थ्यांनी पात्रांना स्वच्छ धुवून त्यात पाणी टाकण्याचे अभियान 20 मार्च (बुधवार) या जागतिक चिमणी दिनापासून आरंभ केले. राष्ट्रीय सेवा योजना अणि पर्यावरण क्लबचे संयोजक राजेश लेहकपुरे, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे हेही यात सहभागी झाले होते. पक्षी हे आमच्या पर्यावरण साखळीमधील महत्वाचे घटक आहेत. त्यांच्या अस्तित्वाकरिता आम्हाला निरंतर प्रयत्न करण्याची आवश्यकता आहे आणि हे अभियान याचाच एक भाग होय अशी

भावना विद्यार्थ्यांनी यावेळी व्यक्त केली.

मा. संपादक/संवाददाता महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें। धन्यवाद।